पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

एनपीएस पर पीओपी सम्मेलन

पीएफआरडीए द्वारा 9 मई 2016 को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली पर अपने पीओपी के एक सम्मेलन का आयोजन इंडिया हेबिटेड सेंटर में किया गया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पेंशन सेक्टर के विस्तार, कर लाभ से संबंधित बजटीय घोषणाओं और देशभर में पेंशन सेक्टर के विस्तार की आश्यकता और तरीकों पर विचार विमर्श करना था। सम्मेलन में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के सभी प्रमुख बैंकों और गैर बैंकीय प्वाइंट आॅफ प्रजेंस ने हिस्सा लिया।

शुरूआती संबोधन में पीएफआरडीए के पूर्ण कालिक सदस्य अर्थशास्त्र डाॅ बी एस भण्डारी ने आये हुए सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और निजी और काॅरपोरेट क्षेत्र में एनपीएस के विस्तार में पीओपी के कार्यप्रदर्शन के साथ- साथ इस क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाली पीओपी की सरारहना करने हुए सुधार के क्षेत्रों पर प्रकाश डाला। वर्तमान में असंगठित (सर्व नागरिक माॅडल) और काॅरपोरेट सेक्टर के कुल 5.6 प्रतिशत अभिदाता हैं और एनपीएस के अंतर्गत प्रबंधन के अधीन आस्तियां 9.0 प्रतिशत हैं और 55600 पीओपी में केवल 7500 पीओपी एनपीएस खाता खुलवाने के काम में सक्रिय हैं। उन्होंने प्रणाली की आंख और चेहरा के रूप में काम करने वाली सभी पीओपी शाखाओं की सक्रियता और उनके द्वारा अभिदाताओं को जागरूक करने और बेहतर सेवाएं देने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पीएफआरडीए एपीवाई माॅडल की तर्ज पर बैंकों के कोर बैकिंग सोल्यूशन के साथ एनपीएस माॅडल विकास का विस्तार कर रहा है।

पीएफआरडीए के अध्यक्ष श्री हेमंत जी कांट्रेक्टर ने मुख्य सम्बोधन में देश के असंगठित सेक्टर जो कि देश के कुल कामगारों का 90 प्रतिशत है उस तक पेंशन सेक्टर के विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होने कहा विश्व में सबसे ज्यादा असंगठित कामगार भारत में हैं जो कि बड़े पैमाने पर किसी भी पेंशन योजना से लाभांवित नहीं है। घरेलु व्यवस्था

में परिवर्तन जैसे एकल परिवारों और वृद्ध नागरिका,ेां विशेषकर महिलाएं जिनकी दीर्घायु अधिक है के बढ़ते अनुपात ने पेंशन उपलब्ध कराने की आवश्यता को बढ़ा दिया है। इन कारकों के कारण विश्व के अधिकांश देशों की नीतियों को पेंशन सेक्टर मुद्दे पर आधारित बना दिया है। एनपीएस मे ंबाजार समनुपातिक प्रतिलाभ, लचीले विकल्प, पारदर्शिता और कम लागत जैसे गुण हैं। साथ ही उन्होंने भविष्य की सुरक्षा के लिए दीर्घकालिक सोच की कमी, निम्न आय स्तर, और जागरूकता के अभाव जैसी असंगठित क्षेत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए किये जा सकने वाले प्रयासों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि विश्व के वृद्ध आबादी का 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सा भारत में निवास करता है और वर्ष 2050 तक इसकी संख्या मौजूदा 100 मिलियन से 300 मिलियन होने की संभावना है। देश के कोने कोने तक एनपीएस के विस्तार और जागरूता पैदा करने के लिए पीएफआरडीए सभी सरकारी और गैर सरकारी नोडल कार्यालयों के लिए एक देश व्यापी प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है।

इस सम्मेलन में प्रमुख साझेदारों और कर विशेषज्ञ प्राइसवाटरहाउस कूपर प्रा. लि. के श्री कुलदीप कुमार, लेखक और विश्लेषक श्री कुलीन पटेल, विलिस टाॅवर वाटसन ने हिस्सा लिया। मुख्य वक्ताओं ने एनपीएस के अंतर्गत उपलब्ध कर लाभा विशेषकर अनुच्छेद 80 सीसीडी (1) और 80 सीसीडी (1 बी) के अंतर्गत उपलब्ध कर लाभों पर प्रकाश डाला। काॅरपोरेट के लिए एनपीएस में कोई अतिरिक्त कीमत नहीं है बल्कि आकर्षक कर लाभ मौजूद हैं। सेवानिवृत्ति निधियों की तुलना में एनपीएस काफी लाभकारी है और एनपीएस के अंतर्गत मौजूद लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने की जरूरत है।

सम्मेलन के दौरान एक पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिसमें वर्ष 2015-16 के दौरान राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली प्वाइंट आॅफ प्रजेंन्स को पुरस्कृत किया गया। सर्वनागरिक माॅडल, काॅरपोरेट माॅडल और निजी सेक्टर के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ पीओपी के लिए एचडीएफसी सिक्योरिटिज लिमिटेड को पुरस्कृत किया गया। स्टेट बैंक आॅफ इंडिया को सबसे ज्यादा पीओपी शाखाआंे के क्रियान्वयन के लिए पुरस्कार दिया गया। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लि0 को सबसे अधिक अभिदाता पंजीकरण के लिए सर्वश्रेष्ठ पीओपी शाखा का पुरस्कार दिया।

वर्तमान में, कुल 1.20 लाख करोड़ रूपये से अधिक की प्रबंधन के अधीन आस्ति (एयूएम) के साथ 1.20 करोड़ से अधिक अभिदाता एनपीएस में शामिल हैं।